अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु दृष्टांत–40

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 13

(क) दुःखदायी के अलग हो जाने पर अप्रसन्नता नहीं होती। स्वामीजी ने यह कथन किसके संदर्भ में कहे?

(ख) तीन तुम्बे अधिक थे वे आज क्यों फोड़े? तब पेमजी ने क्या कहा?

(ग) खेरवा वासी भगजी ने दीक्षित होने के बाद आचार्य भिक्षु के सम्मुख क्या संकल्प किया?

(घ) मारवाड़ यात्रा के समय उदैरामजी स्वामी के कौन-सा तप चल रहा था?

(ङ) संघहित की दृष्टि से आचार्य भिक्षु ने एक वर्ष में कितने किलोमीटर की यात्रा की?

(च) काफरला के मंदिर में हेमजी स्वामी और खेतसीजी ने धोवन पानी को चखकर क्यों देखा?

(छ) स्वामीजी ने हेमजी को प्रतिक्रमण सिखाने किसको भेजा?

(ज) आचार्य भिक्षु को गोगुन्दा के श्रावकों ने किन-किन सूत्रों का दान दिया?

(झ) आचार्य भिक्षु के अनुसार साधु को सावद्य दान के विषय में मौन क्यों रहना चाहिए?

(ञ) साधु-असाधु कब बनता है?

(ट) गुजरमल जी ने जीवन के संध्याकाल में आचार्य भिक्षु की किस मान्यता को गलत बताया?

(ठ) आचार्य भिक्षु ने रामजी को क्यों और क्या निर्देश दिया?

(ड) आचार्य भिक्षु के अनुसार साधु द्वारा नदी पार करने की तुलना फुलों के दृष्टांत से क्यों नहीं हो सकती?

(ढ) आचार्य रूघनाथ जी ने कहाअभी पंचम अर है। कोई दो घड़ी भी शुद्ध साधुपन पालता है तो वह केवली हो जाता है। तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ण) आचार्य भिक्षु ने मुनि मयारामजी को विगय-वर्जन के लिए क्यों कहा?

प्र. 2 किन्हीं दो घटना प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें– 12

(क) केवली राज्य कैसे भोगेगा?

(ख) हिंसा में पुण्य कैसे?

(ग) जैसी नीति वैसा फल।

(घ) आपके भी गले उतर गई।

(ङ) एक भीखन बाकी बचा।

प्र. 3 किसी एक प्रश्न का विस्तार से उत्तर दीजिए– 15

(क) सिद्ध करें आचार्य भिक्षु बुराई में भी अपना हित समझते थे।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु मानव-मन के अनन्य पारखी थे।

महासती सरदारां–15

प्र. 4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 3

(क) जयाचार्य ने सरदारां जी को साध्वियों के सिंघाड़ों की नई व्यवस्था का निर्देश कब व कहां दिया?

(ख) सरदारांजी चिकित्सक के रूप में किन-किन वस्तुओं का उपयोग करती थी?

(ग) समर्पण के क्रम में दूसरी, तीसरी और चौथी रेखा खींचने का आग्रह किस-किसने और कितनी साध्वियों के साथ किया?

(घ) युवाचार्य जय अनुशास्ता बनकर बीदासर आए उस समय किस-किसको दीक्षित किया?

(ङ) जैन संघ में शास्त्रों के अध्ययन का क्रम क्या है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) 'जयाचार्य ने सरदारांजी के मनोबल को मेरू की भांति अप्रकंप बना दिया।' इस कथन का विवेचन करें।

(ख) विभिन्न उद्धरणों से स्पष्ट करें कि ऋषिराय के अनुग्रह से सरदारां के जीवन में दायित्व के नए अध्याय जुड़ गए।

(ग) सरदारां की विराग भावना और तपस्या का उल्लेख करें।

अनुकंपा की चौपाई–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) हिंसा के तीन नाम किस सूत्र में बताए गए हैं?

(ख) पांच स्थावर जीवों की हिंसा से कौन से दोष बढ़ते हैं?

(ग) तिर्यंक लोक के मालिक कितने और कौन हैं?

(घ) षट्कायिक जीवों के शत्रु कौन होते हैं?

(ङ) छहकाय के जीवों का आरम्भ-समारंभ किस-किससे होता है?

(च) चित्तमुनि ने ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती को कौन सा धर्म बताया?

(छ) अरिहन्त भगवान ने साधु को किस नाम से सम्बोधित किया है?

प्र. 7 'हिंसा करके जीवों को बचाने में यदि पाप और धर्म दोनों होते हैं तो अठारह पापों के विषय में भी यही समझना चाहिए।' आचार्य भिक्षु के इस कथन को व्याख्यायित करें। 10

अथवा

'धन-धान्य आदि लोगों को देना यह तो निश्चित ही सावद्य दान है। इसमें वीतराग का धर्म नहीं है।' इस कथन का विवेचन करें।

प्र. 8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) एकीका जीवने अनंती बार बचाया, त्यांपिण ने अनंती बार बचायो।
आमा साह्या उपगार संसार नां कीधां, त्यां सूं तो जीव री गरज सरी नहीं कांयो।।

(ख) जीवां री हिंसा मे पुन परूपे, त्यांरी जीम वहे तलवारो जी।
वले पहरण सांग साधु रो राखे, धिग त्यांरो जमवारो जी।।

(ग) इविरती जीवां रो जीवणो वांछे, तिण धर्म रो परमारथ नहीं आयो।
आ सरधा अग्यांनी री पग-पग अटके, ते सांभल जो भवियण चित्त ल्यायो।।

(घ) कोई कहे भगवंत तो घर छोड़यां पछे रे, पाप रो अंस न सेव्यो मूल रे।
जो उवे सुपनां देख्या में पाप परूपसी रे, तो त्यारे लेखे त्यारी सरधा में धूल रे।।

भिक्षु वाणी–15

प्र. 9 कोई दो पद्यों की भावार्थ सहित पूर्ति करें– 6

(क) मित्री सूं.....नहीं आवें।।

(ख) हेत मांहि.....विपरीत।।

(ग) समुदर न.....मांडी झोर।।

(घ) हलूकरमी.....असमाघ।।

प्र. 10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें– 9

(क) हिंसा और धर्म।

(ख) अहिंसा।

(ग) आसक्ति।

(घ) आत्मशुद्धि की प्रक्रिया।

(ङ) संगति।